

निष्पात वि. (तत्.) 1. किसी विषय का उत्तम ज्ञान रखने वाला, विषय विशेषज्ञ, पारंगत 2. कुशल, चतुर, विज्ञ, दक्ष।

निष्पादक पुं. (तत्.) 1. किसी कार्य को पूरा करने की क्रिया 2. किसी के आदेशानुसार किसी कार्य को पूरा करने वाला व्यक्ति, कार्यान्वित करने वाला, तामील करने वाला व्यक्ति 3. वसीयत-कर्ता द्वारा अपनी वसीयत को कार्यान्वित करने के लिए नियुक्त व्यक्ति प्रशा. प्रबंधक, निर्वाहक, जो किसी संस्था, विभाग, व्यवस्था का प्रबंधन करता हो **वि.** (तत्.) 1. जिसका कार्यान्वयन शेष रहता हो 2. जिसकी तामील की जानी हो 3. निष्पादन करने के योग्य।

निष्पादन पुं. विधि./प्रशा. 1. दिए हुए निर्णय या आदेश की कार्यान्विति 2. निष्पन्न करने की क्रिया 3. कार्यान्वयन, तामील।

निष्पादन बजट पुं. प्रशा. कार्य के भौतिक लक्ष्य को ध्यान में रखकर बनाया गया बजट, काम की मात्रा और खर्च के बीच सामंजस्य स्थापित कराने वाला बजट।

निष्पादन मजदूरी स्त्री. (तत्.) कार्य के अनुरूप निश्चित की गई मजदूरी, कार्य के अनुरूप मजदूरी।

निष्पादन मानक पुं. राज.) लोक सेवक द्वारा, निश्चित कालावधि में, संपन्न किए जाने वाले कार्य की मानक मात्रा 2. निश्चित किए गए कार्य की आदर्श मात्रा या मान जैसे- एक वर्ष में पाँच गाँवों का विद्युतीकरण करना।

निष्पादन रिपोर्ट स्त्री. (तत्.) निर्धारित कार्य की निष्पन्नता के विषय में अधिकृत पदाधिकारी की रिपोर्ट 2. निष्पन्न कार्य का लेखा-जोखा।

निष्पादनीय वि. (तत्.) 1. जो कार्य निष्पन्न करने के योग्य हो, कार्यान्वयन के योग्य 2. जो कार्य अभी निष्पन्न किया जाना हो।

निष्पादित वि. (तत्.) 1. जिसका निष्पादन किया जा चुका हो, निष्पन्न जैसे- निष्पादित शब्दकोश

2. कोश-निष्पादन की प्रक्रिया से बना हुआ कोई शब्द जैसे- बंधु से बंधुत्व, देह से दैहिक।

निष्पाप वि. (तत्.) 1. वह व्यक्ति जिसने कोई पाप नहीं किया हो, पाप-रहित, बेगुनाह, मासूम 2. वह कर्म जिसके करने से पाप न लगता हो।

निष्पापता स्त्री. (तत्.) पाप रहित होने की अवस्था या भाव, पापहीनता, बेगुनाही, मासूमियत।

निष्पीडन पुं. (तत्.) 1. सरस वस्तु को निचोड़ने का कार्य, आर्द्र वस्तु अथवा वस्त्र को निचोड़ने की क्रिया या भाव।

निष्पीडित वि. (तत्.) 1. जिसको निचोड़ा जा चुका हो, निचोड़ा हुआ 2. भींचा हुआ।

निष्पुष्प वि. (तत्.) पुष्प रहित, पुष्पहीन, बिना फूल के।

निष्पेषण पुं. (तत्.) 1. पेरने की क्रिया या भाव, पेरने का कार्य जैसे- कोल्हू में गन्नों का निष्पेषण 2. पीसने का कार्य, जैसे चने का निष्पेषण 3. कूटने का कार्य, चूर्ण करने का कार्य जैसे- हल्दी का निष्पेषण।

निष्पेषित वि. (तत्.) 1. पेरा हुआ 2. पीसा हुआ 3. कूटा हुआ, चूर्ण किया हुआ।

निष्पौरुष वि. (तत्.) जो पौरुषहीन हो, पौरुष रहित, शक्तिहीन, नपुंसक, हिजड़ा।

निष्प्रताप वि. (तत्.) जो प्रताप रहित हो, प्रतापहीन, ओजहीन।

निष्प्रतिबंध वि. (तत्.) 1. प्रतिबंधों से मुक्त 2. उन्मुक्त (कार्यक्रम) 3. शिथिल नियमों वाला।

निष्प्रतिभा वि. (तत्.) 1. प्रखर योग्यता विहीन, जिसमें प्रतिभा न हो, प्रतिभारहित, प्रतिभाहीन, प्रतिभाशून्य।

निष्प्रभ वि. (तत्.) 1. जिसमें ओज न हो, प्रभाहीन, तेजहीन 2. कांतिरहित 3. ओजहीन, हतप्रभ।

निष्प्रभाव वि. (तत्.) 1. जिसका कोई प्रभाव न हो, प्रभाव रहित, प्रभावहीन, अप्रभावी 2. निरस्त, अमान्य 3. प्रभाव से तुरंत रद्द।